(ख) और (ग) घटना की जांच करने के लिये एक जांच अदालत गठित की गई है, जांच अदालत की रिपोर्ट अभी नहीं मिली है । आग के कारण हुई हानि का अनुमान रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही लगाया जा सकेगा ।

टारसी के एक व्यापारी से सोने का जब्त किया जाना

973 **श्री माधूराम अहिरवार** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या जून, 1972 में सीमाशुल्क विभाग द्वारा इटारसी, मध्य प्रदेश के एक व्यापारी के पास से 20,000 रुपये के मूल्य का सोना जब्त किया गया था ,

(ख) क्या यह सोना सीमाशुल्क विभाग से गायब हो गया है, और

(ग) यदि हां, तो इस बारे में सरकार ने क्या कार्यवाई की है और इसके लिये जिम्मेदार व्यक्तियों के नाम क्या हैं ?

वित्त मंत्रालय में उप मंत्री (श्रीमति सुशीला रोहतगी) (क) जी हां।

(ख) और (ग) उक्त माल का पकड़ने की औपचारिकतायें जब पूरी की जा चुकी थी, तब पाया गया कि पकड़े गये माल का सीलबन्द पैकेट गायब है । सोने की चोरी की रपट तत्काल स्थानीय पुलिस में की गयी । सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क, जबलपुर, ने तत्काल मामले की प्रारंभिक जांच की और उसकी रिपोर्ट प्राप्त होने पर, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क, नागपुर ने यह मामला, जांच-पड़ताल के लिये पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस संस्थापन, केन्द्रीय जांच ब्यूरो, जबलपुर को सौंप दिया है । अब इस संबंध में अगली कार्यवाही केन्द्रीय जांच ब्यूरो की रिपोर्ट प्राप्त होने पर की जायेगी ।

मुरैना (मध्य प्रदेश) में तेल शोधक कारखाने की स्थापना

974 **श्री माधूराम अहिरवार** क्या **पैट्रोलियम और रसायन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या भारतीय तेल निगम का एक दल उत्तर मध्य प्रदेश में तेल शोधक कारखाने की स्थापना के लिये मुरैना गया था ,

(ख) क्या उक्त अध्ययन दल ने मुरैना जिले में तेल शोधक कारखाने की स्थापना के पक्ष में अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है, और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

विधि और न्याय तथा पैट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री एच० आर० गोखले) (क) ग्वालियर में अथवा उसके पास प्रस्तावित उत्तर-पश्चिम शोधनशाला की स्थापना की संभावना का अध्ययन करने के लिये भारतीय तेल निगम के एक दल ने मध्य प्रदेश का दौरा किया था ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) सभी तकनीकी आर्थिक एवं अन्य सम्बद्ध पहलुओं पर विचार करने के पश्चात सरकार ने निर्णय लिया है कि उत्तर-पश्चिम शोधनशाला की स्थापना मथुरा में की जाये ।

मिट्टी के तेल के मूल्य में वृद्धि

975 **श्री माधूराम अहिरवार**
श्री डी० भट्टाचार्य

क्या **पैट्रोलियम और रसायन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या गत तीन वर्षों में घरेलू उपयोग में आने वाले मिट्टी के तेल के मूल्य में बहुत अधिक वृद्धि हुई है ,

(ख) उक्त अवधि मे विभिन्न राज्यो मे मिट्टी के तेल के क्या भाव रहे हैं, और

(ग) मिट्टी के तेल के बढ़ रहे मूल्यो को रोकने के लिये सरकार ने क्या कारगर उपाय किये हैं, और यदि नही, तो उसके क्या कारण हैं ?

विधि और न्याय तथा पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री एच० आर० गोखले) (क) जी नही।

(ख) मई जुलाई, 1972 के दौरान कुछ महत्वपूर्ण स्टेशनो पर अच्छे किस्म के मिट्टी के तेल के फुटकर मूल्यो से सम्बन्धित एक विवरण पत्र सलग्न है ।

(ग) प्रश्न नही उठता।

4 अगस्त 1972 को लोक सभा मे पूछे जाने वाले अता० प्रश्न सख्या 975 के भाग (ख) से सम्बन्धित विवरण पत्र

स्टेशन	निम्नलिखित तारीखो को अच्छे किस्म के मिट्टी के तेल के प्रति लिटर फुटकर बिक्री मूल्य		
	1-5-72	1-6-72	1-7-72
1	2	3	4
बगलोर	0 66	0 66	0 66
अहमदाबाद	0 63	0 63	0 63
दिल्ली	0 65	0 65	0 65
बम्बई	0 61	0 61	0 61
लखनऊ	0 77	0 77	0 77
हैदराबाद	0 67	0 67	0 67
कलकत्ता	0 65	0 65	0 65
जमपुर	0 68	0 68	0 68
मद्रास	0 65	0 65	0 65
चडीगढ़	0 72	0 72	0 72

टिप्पणी —केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिकृत अतिरिक्त कर के कारण मद्रास मे मिट्टी के तेल मे प्रति लिटर 2 पैसा वृद्धि हुई है ।

क्षतिग्रस्त हुए करेंसी नोटो को बदलने सम्बंधी नियम

976 **श्री अटल बिहारी वाजपेयी** क्या वित्त मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) रिजर्व बैंक द्वारा क्षतिग्रस्त करेंसी नोटो का रद्द करने, पास करने और बदलने सबधी नियम क्या है

(ख) गत तीन वर्षों मे कमर्शियल बैंको से प्राप्त क्षतिग्रस्त करेंसी नोटो को बदलने के कितने मामलो मे क्रमश नौ महीने और आठ महीने से अधिक का समय लगा और

(ग) इस सम्बन्ध मे विलम्ब को समाप्त करने के लिये क्या कार्यवाही की गई है अथवा करने का विचार है ?

वित्त मत्रालय में उप-मत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी) (क) क्षतिग्रस्त और कटे-फटे नोटो के विनिमय मूल्य की सदायगी के दावो का फैसला भारतीय रिजर्व बैंक के करेंसी अधिकारी द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक (नोटो की वापसी) नियमावली 1975 मे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है । मामली से फटे-कट नोट जिनकी असली नोटो के रूप मे पहचान की जा सकती है भारतीय राज्य बैंक और उसके सहायक बैंकों की शाखाओं तथा करेंसी-चेस्ट वाले राजकोषो मे भी, केन्द्रीय राजकोष नियमावली, खण्ड 1 के कार्यकारी अनुदेश भाग XIV के नियम 81 की टिप्पणी 1 में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार बदले जाते हैं ।

(ख) भारतीय रिजर्व बैंक की विभिन्न शाखाओं से सूचना इकट्ठी की जा रही है और प्राप्त सूचना होने पर सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

(ग) भारतीय रिजर्व बैंक की दावा-शाखाओं के कार्य की स्थिति की बराबर समीक्षा की जाती रहती है और काम के निपटारे मे तेजी लाने के लिये उपयुक्त कदम उठाये जाते हैं, जिनमे उन मामलो मे, जहां जरूरी हो, अतिरिक्त कर्मचारियो की मजूरी दी जाना भी शामिल है ।